Tender Heart High School, Sector - 33 -B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण नौ एवं दस

उपविषय - विशेषण बनाओ

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या दो सौ तैंतीस पर दिए 'विशेषण बनाओ' पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! आज हम विशेषण रचना पर चर्चा करने जा रहे हैं इसलिए आप सभी अपनी-अपनी पुस्तक एवं उत्तर-पुस्तिका भी निकाल लें। विषय पर चर्चा करते-करते आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे जिनके उत्तर आप तभी दे पाएँगे यदि आप अपना ध्यान विषय की ओर ही केन्द्रित रखेंगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! विशेषण की रचना पर आने से पहले विशेषण के बारे में संक्षेप में जान लेते हैं।

विशेषण की परिभाषा - संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। जैसे ठण्डा, सुंदर आदि।

विशेषण के चार भेद हैं :-

1. गुणवाचक विशेषण - जैसे - ईमानदार, सफ़ेद, लंबा आदि।
2. परिमाणवाचक विशेषण

(क) निश्चित परिमाणवाचक जैसे - दस मीटर कपड़ा, एक लीटर आदि।
(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक जैसे - थोड़ा दूध, बहुत चीनी आदि।

3. संख्यावाचक विशेषण
(क) निश्चित संख्यावाचक जैसे - एक, पाँच, सौ आदि।
(ख) अनिश्चित संख्यावाचक जैसे - कुछ लड़के, अनेक खिलौने आदि।
4. सार्वनामिक विशेषण जैसे - वह लड़का, यह किताब आदि।

विशेषणों की रचना

हिन्दी में प्रयोग किए जाने वाले विशेषण दो प्रकार के होते हैं :-
1. मूल विशेषण - जैसे बड़ा, अच्छा, लंबा, छोटा, चतुर आदि।
2. व्युत्पन्न विशेषण - ऐसे विशेषण जो संज्ञा, क्रिया, सर्वनाम, क्रिया, अव्यय आदि शब्दों से बनाए जाते हैं। जैसे - 'नमक' संज्ञा से 'नमकीन', 'चलना' क्रिया से 'चालू', 'वह' सर्वनाम से 'वैसा', 'ऊपर' अव्यय से 'ऊपरी' आदि।

व्युत्पन्न विशेषणों की रचना मुख्य रूप से तीन प्रकार से की जा सकती है :-
(i) शब्द से पूर्व 'उपसर्ग' का प्रयोग करके, जैसे - 'बल' शब्द से 'दुर्' उपसर्ग जोड़कर 'दुर्बल'।
(ii) शब्द के अंत में प्रत्यय जोड़कर, जैसे - 'रंग' शब्द के अंत में 'ईन' प्रत्यय जोड़कर 'रंगीन'।
(iii) उपसर्ग और प्रत्यय दोनों का प्रयोग करके जैसे 'न्याय' शब्द से पूर्व 'अ' उपसर्ग तथा अंत में 'ई' प्रत्यय का प्रयोग करके, जैसे - अ + न्याय + ई = अन्यायी।

बच्चो ! अब हम पृष्ठ संख्या 237 पर दिए प्रत्ययों के योग से विशेषणों की रचना को पढ़ेंगे व समझेंगे। आपका ध्यान इस ओर ही केन्द्रित होना चाहिए।

प्रत्ययों के योग से विशेषणों की रचना

(i) 'इक' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
धर्म	धार्मिक	मास	मासिक
अर्थ	आर्थिक	सप्ताह	साप्ताहिक
समाज	सामाजिक	व्यवहार	व्यावहारिक
परिवार	पारिवारिक	पक्ष	पाक्षिक
नीति	नैतिक	शिक्षा	शैक्षिक

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
राजनीति	राजनैतिक	विचार	वैचारिक
इतिहास	ऐतिहासिक	इच्छा	ऐच्छिक
दिन	दैनिक	मंगल	मांगलिक
वेद	वैदिक	सेना	सैनिक
देह	दैहिक	संप्रदाय	सांप्रदायिक
अध्यात्म	आध्यात्मिक	करुणा	कारुणिक
प्रमाण	प्रामाणिक	विवाह	वैवाहिक
तर्क	तार्किक	बुद्धि	बौद्धिक
भूत	भौतिक	उद्योग	औद्योगिक
भूगोल	भौगोलिक	समय	सामयिक
संकेत	सांकेतिक	श्रम	श्रमिक
लोक	लौकिक	विज्ञान	वैज्ञानिक
अलंकार	आलंकारिक	अंतर	आंतरिक
प्रदेश	प्रादेशिक	कल्पना	काल्पनिक
हृदय	हार्दिक	समुदाय	सामुदायिक

(ii) 'इत' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
घृणा	घृणित	पुष्प	पुष्पित
अंक	अंकित	उपेक्षा	उपेक्षित
निंदा	निंदित	चिंता	चिंतित
सम्मान	सम्मानित	अपमान	अपमानित
उल्लास	उल्लसित	उच्चारण	उच्चरित
सुगंध	सुगंधित	कलंक	कलंकित
संचय	संचित	अपेक्षा	अपेक्षित

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे और उस तीन मिनट के दौरान आप पूछे गए प्रश्नों

के उत्तर लिखेंगे। प्रश्न इस प्रकार हैं :-

प्रश्न 1. 'नीति' शब्द का विशेषण रूप लिखिए।

प्रश्न 2. कोष्ठक में दिए शब्दों के विशेषण रूप बनाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

(क) व्यायाम से ------ विकास भी होता है। (बुद्धि)

(ख) ---- उड़ान भरने से यथार्थ में कुछ करके दिखाओ। (कल्पना)

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :-

(क) विचार (ख) चिंता (ग) पक्ष (घ) संचय ।

बच्चो ! उत्तर लिखने के लिए दिया गया समय अब समाप्त हो चुका है। आशा है कि आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। उन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं:

उत्तर 1. 'नीति' शब्द का विशेषण रूप है - 'नैतिक'।

उत्तर 2. (क) व्यायाम से बौद्धिक विकास भी होता है।

(ख) काल्पनिक उड़ान भरने से यथार्थ में कुछ करके दिखाओ।

उत्तर 3. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :-

(क) विचार - वैचारिक (ख) चिंता - चिंतित

(ग) पक्ष - पाक्षिक (घ) संचय - संचित

बच्चो ! अब विषय को आगे बढ़ाते हुए आगे दिए गए प्रत्ययों के योग से विशेषण बनाओ को पढ़ेंगे। आप इसी प्रकार अपना ध्यान इसी ओर ही केन्द्रित रखेंगे।

(iii) 'इम' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
स्वर्ण	स्वर्णिम	रक्त	रक्तिम
आदि	आदिम	अंत	अंतिम

(iv) 'ई' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
जंगल	जंगली	शहर	शहरी

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
परिश्रम	परिश्रमी	लालच	लालची
साहस	साहसी	बनारस	बनारसी
नागपुर	नागपुरी	ऋण	ऋणी
विदेश	विदेशी	स्वदेश	स्वदेशी
गुलाब	गुलाबी	दोष	दोषी
लखनऊ	लखनवी	पंजाब	पंजाबी
रोग	रोगी	प्रेम	प्रेमी
उपयोग	उपयोगी	धन	धनी
क्रोध	क्रोधी	लोभ	लोभी
लालच	लालची	कपट	कपटी

(v) 'ईय' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
स्थान	स्थानीय	भारत	भारतीय
मानव	मानवीय	स्वर्ग	स्वर्गीय
पर्वत	पर्वतीय	शास्त्र	शास्त्रीय
राष्ट्र	राष्ट्रीय	जाति	जातीय
दर्शन	दर्शनीय	स्मरण	स्मरणीय
अनुकरण	अनुकरणीय	ईश्वर	ईश्वरीय

(vi) 'ईन' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
रंग	रंगीन	नमक	नमकीन
तत्काल	तत्कालीन	ग्राम	ग्रामीण
युग	युगीन	कुल	कुलीन
प्रात:काल	प्रात:कालीन		

(vii) 'ईला' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
चमक	चमकीला	पत्थर	पथरीला
ज़हर	ज़हरीला	रस	रसीला
बर्फ़	बर्फ़ीला	जोश	जोशीला
नोक	नुकीला	खर्च	खर्चीला

(viii) 'नीय' प्रत्यय जोड़कर

शब्द	विशेषण	शब्द	विशेषण
पूजा	पूजनीय	निंदा	निंदनीय
दया	दयनीय	आदर	आदरणीय
परिवर्तन	परिवर्तनीय	दर्शन	दर्शनीय

बच्चो ! आज हमने 'नीय' प्रत्यय जोड़कर विशेषण बनाना सीखा है। आशा है आपने अब समझ लिया होगा। सभी छात्र इन्हें एक बार फिर से पढ़ेंगे व समझेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य देने जा रही हूँ। सभी छात्रों का इसे करना अनिवार्य है।

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 237, 238 एवं 239 पर दिए प्रत्ययों के योग से विशेषणों की रचना को 'नीय' प्रत्यय जोड़कर तक अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद भी करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]